Bareilly Wednesday, 14 July 2021
BAREILLY EDITION
Within Bareilly City.- 2.00/-
Outside Bareilly City.- 3/-
Pages 12

दैनिक जागरण inext

'ढर्रा' के मंचन में दिखी पुरुषों की सोच

एसआरएमएस रिद्धिमा में ढर्रा नाटक का मंचन कलाकारों ने जीता दिल

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (13 July): एसआरएमएस रिद्धिमा में ट्यूजडे को ढर्रा नाटक का मंचन हुआ. रंग कर्मियों ने अपनी कला से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. नाटक का निर्देशन कर रहे अंबुज कुकरेती ने कलाकारों के जरिए आज के समय में महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच को प्रदर्शित किया. डॉ. तारिक महमूद द्वारा लिखित नाटक ढर्रा आम आदमी के जीवन पर आधारित रहा.

नाटक का मंचन करते कलाकार.

इसकी कहानी भ्रष्ट दारोगा, उसकी पत्नी और बेटे सुरेश के इर्दगिर्द घूमती है. आटो चलाने की बात को लेकर दारोगा बेटे सुरेश व पत्नी को आए दिन मारता है. एक दिन तीन लड़के शराब के नशे में सुरेश के आटो पर सवार होते हैं. गंतव्य तक पहुंचने पर उसके पैसे नहीं देते हैं. नसीब को कोसता हुआ सुरेश आगे बढ़ जाता है. जहां एक रोती हुई लड़की उसके आटो पर सवार होती है. सुरेश उससे रोने का कारण पूछता है तो वह उसे फटकार देती है. अब तक नसीब को कोस रहे सुरेश के अंदर का जानवर जाग जाता है और वह उस लड़की के साथ दुष्कर्म करता है. यह पूरी कहानी आज के युवाओं की क्षुद्र मानसिकता को दर्शाती है. यहां देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति आदि रहीं.